सत्य पर आग्रह से ही समाज बनेगा: प्रो. बी.के. कुठियाला

नई दिल्ली,12 जनवरी, 2017: समाज में मीडिया में प्रस्तुत सच को लेकर द्वंद्व है। मीडिया का कार्य सच्चाई को प्रस्तुत करना तो है लेकिन समाज में भी सत्य के प्रति आग्रह बने रहना चाहिए। इसके लिए मीडिया की अपेक्षा नागरिक समाज को पहल करनी चाहिए। इसी से स्वस्थ समाज बनेगा। यह आग्रह कम होने से समाज कमजोर होगा। ये बातें विश्व पुस्तक मेले में 'मीडिया और सत्य' विषय पर आयोजित संविमर्श में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल के कुलपति प्रो. बी.के. कुठियाला ने कही। वे कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। आयोजन माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय तथा राष्ट्रीय पुस्तक न्यास दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में किया गया था। प्रो. कुठियाला ने सत्य को लेकर पश्चिमी मीडिया और भारतीय साहित्यिक के विविध संदर्भों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का दायित्व समाज और मीडिया के बीच संवाद कायम करना है।

पंजाब केसरी के समूह संपादक अकु श्रीवास्तव ने संविमर्श को आगे बढ़ाते हुये कहा कि मीडिया और सत्य के अन्योन्याश्रय संबंध को विश्लेषित किया। उन्होंने कहा कि आजकल मीडिया में छपी खबर की सत्यता पर सवाल उठाए जाते हैं। सवाल उठना स्वाभाविक है लेकिन ये सवाल उठा क्यों ये उससे बड़ा सवाल है? आज के दौर में जब लोकतन्त्र के तीनों खंभों की सत्यता संदेह के घेरे में है तो मीडिया से ही इतनी अपेक्षाएँ क्यों हैं? उन्होंने विमर्श को आगे बढ़ाते हुये कहा कि अभी मीडिया में काफी हद तक सच्चाई बची हुई है। खबर लिखने में सच को लिखने का साहस है लेकिन छापने वाले में सच का सामना करना कितना आता है, यह उस पर निर्भर करता है। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि सवाल उठना जरूरी है इसे एक स्वस्थ वैचारिक समाज का उदय होता है।

नवभारत टाइम्स दिल्ली के पूर्व संपादक राम कृपाल सिंह ने कहा कि पत्रकारिता समय-समय पर अनेक कसौटियों से गुजरी है। जितनी ईमानदारी गाँव से लेकर राष्ट्र स्तर पर है वही ईमानदारी पत्रकारिता में भी बची है। सच समय के निरपेक्ष नहीं सापेक्ष होता है। हमें ऐसा सच नहीं बोलना चाहिए जिससे समाज में दिक्कत आए। इस मौके पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास दिल्ली के अध्यक्ष बलदेव भाई शर्मा ने कहा कि सत्य एक होता है, उलझन इसलिए है कि हम सबने अपने अलग अलग सत्य बना लेते हैं। सत्य मानवता का पोषक होता है। मीडिया का काम करते वक्त हमें इस आशय का ध्यान रखना चाहिए।

इस मौके पर डॉ. बीएस नागी तथा ए.एम. खान की पुस्तक 'रिसर्च स्किल डेवेलपमेंट इन सोशल साइंसेज कम्यूनिकेशन एंड मैनेजमेंट' का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रजनी नागपाल ने किया। इस मौके पर परिसर के प्रोफेसर बीएस निगम, प्रोफेसर अरुण कुमार भगत, सहायक प्रोफेसर लाल बहादुर ओझा, मीता उज्जैन, सूर्य प्रकाश, राकेश योगी तथा अध्यापक मौजूद रहे।